Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 26-07-2006
Participants : Ananth Kumar Shri ,Suman Shri Ramji Lal,Singh Shri Mohan,Khaire Shri Chandrakant Bhaurao

an>

Title : Suicides by farmers in the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, पूरे देश में किसानों की हालत तेजी के साथ बिगड़ रही है।

MR. SPEAKER: There should be a proper discussion on this.

श्री रामजीलाल सुमन : पिछले 10 वर्ाों में किसानों की आत्महत्याओं के बहुत मामले प्रकाश में आए हैं और इस सम्मानित सदन में किसानों की हालत सुधारने के विाय में कई बार चर्चा हुई है, लेकिन मुझे बेहद अफसोस है कि सब कुछ होने के बाद भी किसानों की स्थिति में विशो सुधार नहीं हुआ है। देश के अंदर किसानों के हालात सुधारने के लिए जो एक समग्र नीति बनानी चाहिए थी, वह नहीं बनी और किसानों की आत्महत्याओं का दौर बराबर जारी है।

मैं प्रधानमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि थोड़े दिनों पहले उन्होंने विदर्भ के किसानों को 3750 करोड़ रुपए का पैकेज दिया, लेकिन साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इस समस्या को केवल महाराट्र और विदर्भ की चारदीवारी के अंदर ही कैद नहीं किया जा सकता है। महाराट्र, विदर्भ, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, बिहार और देश के सभी हिस्सों से किसानों की आत्महत्याओं के मामले प्रकाश में आए हैं। पिछले 10 वर्ाों में जो आंकड़े हैं, उनके हिसाब से एक लाख चालीस हजार किसानों ने आत्महत्या की है। हमारे उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड इलाके में कई वर्ाों से फसल नहीं हुई है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव ने देश के प्रधानमंत्री से निवेदन किया कि उत्तर प्रदेश के उपेक्षित इलाके को भी विशो पैकेज दिया जाए। वहां स्थिति अत्यधिक भयावह है और आज हालत यह है कि किसान खुदकुशी करने के लिए बाध्य है। हरियाणा और पंजाब, जो खेती की दृटि से समृद्ध क्षेत्र माने जाते थे, वहां के किसान भी दूसरे वैकल्पिक व्यवसाय का रास्ता चुनने लगे हैं। यह बहुत गंभीर मामला है और मैं चाहता हूं कि इस मामले को न सिर्फ विदर्भ या महाराट्र के किसानों के साथ, बल्कि पूरे देश के किसानों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। पूरे देश में किसानों की हालत एक जैसी है। लिहाजा पूरे देश के किसानों को एक विशो आर्थिक पैकेज दिए जाने की आवश्यकता है।

इस सरकार ने किसानों के लिए कर्जे की व्यवस्था की है और कहा गया कि 7 प्रतिशत की ब्याज दर पर किसानों को पैसा दिया जाएगा। वित्तीय संस्थानों से कितना ऋण मिलता है, यह तो अलग सवाल है, लेकिन निजी साहूकारों से भी जो कर्जा किसान लेते हैं, उसकी ब्याज दर बहुत ज्यादा होती है। इसलिए मैं आपकी मार्फत निवेदन करना चाहूंगा कि पूरे देश के किसानों को आर्थिक सहायता मिले । इस समस्या का यदि कोई हल है तो यह है कि किसानों पर जो ऋण बकाया है, उसे सरकार माफ करे। तभी किसानों को राहत मिल सकती है।...(व्यवधान)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने को इस मामले से संबद्ध करता हूं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, सम्पूर्ण देश के किसानों की हालत गंभीर है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Why are you getting up?

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, यह किसी एक राज्य का सवाल नहीं है।...(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Sir, we also want to associate with this.

MR. SPEAKER: I do not understand what is happening.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : इस विाय पर पूर्ण चर्चा होनी चाहिए।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. Nothing is being recorded. Why are you shouting?

At the beginning, I myself said that this was a matter which should be discussed fully. Either notices have come or will come. But you have yourself been pressing for this as an urgent matter[KMR15].

Then, everyone rises and asks for a discussion on this issue immediately. How can it be done? Tomorrow, we would be discussing the issue of price rise. We can discuss this issue on any other day. You yourself decide. I shall allow this issue to be discussed. What is the difficulty?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav, today you should not open your mouth.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not the method, Shri Mohan. You are a senior Member.

… (*Interruptions*)

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष महोदय, मैं बड़ी गम्भीरता के साथ किसानों के मामले में यह प्रश्न उठाना चाहता हूं। महाराट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा इलाके में जिन किसानों ने आत्महत्या की, उनकी फीगर्स आपके पास आई हैं। मैं उसके बारे में कहना चाहूंगा। आदरणीय प्रधान मंत्री जी, कृाि मंत्री, एनर्जी मिनिस्टर और मुख्यमंत्री के साथ महाराट्र के विदर्भ इलाके में आए थे। उन्होंने जिस दिन किसानों को पैकेज देने की घोाणा की, उसी दिन विदर्भ के कुछ किसानों ने आत्महत्या की। उसके बाद से औसतन तीन किसान रोज आत्महत्या कर रहे हैं। प्रधान मंत्री जी के आने के बाद अभी तक 62 किसानों ने आत्महत्या की है। मराठवाड़ा के आठ जिलों में ये आत्महत्याएं हो रही हैं। उन्होंने अमरावती के कुछ किसानों को मदद देने की घोाणा की है लेकिन नागपुर, मराठवाड़ा (औरंगाबाद) डिविजन के किसानों को कोई सहायता नहीं दी है। मैं केन्द्र सरकार से मांग करना चाहूंगा कि आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवार वालों के बिजली के सभी बिल माफ होने चाहिए और उन्होंने कोआपरेटिव बैंकों या दूसरे बैंकों से खेती के काम के लिए जो भी कर्जा लिया है, वह पूरा माफ करना चाहिए तथा उस घर के किसी व्यक्ति को नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होने अमरावती के किसानों के लिए जिस पैकेज की घोाणा की है, वह नागपुर और मराठवाड़ा के सभी जिलों को भी देना चाहिए। किसान रोज आत्महत्या कर रहे हैं। वे बहुत परेशान और त्रस्त हैं। …(व्यवधान)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : अध्यक्ष महोदय, सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए क्योंकि यह बहुत गम्भीर मामला है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः मैंने इसीलिए उन्हें एलाऊ किया है।

…(व्यवधान)

<u>12.42 hrs.</u>

SUBMISSION BY MEMBERS

Situation arising out of recent Israeli attack on Lebanon